मूर्द्धज vel **मूर्धज** *m.* (e sq. et ज natus) capillus.

मूर्द्धन् vel **मूर्धन्** *m.* (v. gr. annot. ad r. 224.) caput. R. Schl. I. 44. 10. *Transl.* princeps locus, frons. N. 1. 2. Hit. 31. 7. Cacumen montis. Megh. 17.

मूल् (ut videtur, Denom. a मूल radix q. v.) Cl. 1. *P. A.* (प्रतिष्ठायाम् *K.* रोपणे *V.*) fixum esse; plantare. — Cl. 10. *P.* (रोहणे *K.* रोपणे *V.*) crescere, plantare.

c. उत् 10. *P.* eradicare, evellere. Mah. 3. 11106.: उन्मूलयन् महावृक्षान्.

c. उत् praef. सम् *id.* Hit. 90. 8.: समुन्मूलयितुम् वृक्षान्; 127. 15.

मूल *n.* (ut videtur, a r. मंह् vel मह् crescere, abjecto ह्, mutato अ in ऊ, cf. Pott. II. 108.) radix. N. 9. 11. *Transl.* origo. Br. 1. 40.

मूल्य *n.* pretium, merces. Am.

मूष् 1. *P.* furari. *V.* 1. मुष्.

मूष *m.* (r. मूष् s. अ) mus. (Lat. *mûs, mûr-is* e *mûs-is*; gr. *μῦς, μυ-ός* e *μυσ-ός*; germ. vet. *mûs*, Them. *mûsi*; russ. *myšj.*)

मूषिक *m.* (r. मूष् s. इक) mus. Hit. 113. 6.

मृ 6. *A. interdum P.* (nisi potius cl. 4., v. gramm. min. 299.) mori. Bh. 2. 20.: न जायते म्रियते वा; N. 13. 38.: ना ऽप्राप्तकालो म्रियते; Br. 1. 34.: मरिष्यन्ति मया विना; 2. 19.: मरिष्यामि; 3. 9.: म्रियेयम्. — मृत mortuus. *Subst. n.* mors. Br. 1. 35. — *Caus.* occidere. Mah. 1. 7276.: ततो यमः ... ना ऽमारयत् कश्चित्. (Lat. *morior, morbus*; gr. *βροτός* pro *μροτός* = मृत e मर्त, *ἀ-μβροσία* pro *ἀ-μροσία*, cf. अमृत; lith. *mirsztu* morior, praet. *mirriau*, fut. *mir-su*, infin. *mir-ti*; *s-mertis* mors; russ. *u-miraju* morior, *mertvyĭ* mortuus, *s-mer-tj* mors. Ad Caus. मारयामि trahimus hib. *marbhaim* «I kill, slay», *marbhan* «a corpse, dead body» etc.; goth. *maur-thr* caedes.)

मृक्ष् 1. et 10. *P.* v. म्रक्ष्.

मृग् 10. *A. interdum P.* etiam 4. *A.* मृगयामि, मृगये (gr. 342.), मृग्ये. Quaerere. H. 1. 25.: पानीयम् मृगयामि; N. 12. 118.: किम् वा मृगयसे वने; 13. 65.: मृगयिष्यन्ति ते भद्रे भर्तारम्; 16. 2.: मृगयध्वम् नलम्. मृगयाण quaerens (gr. 598.). N. 18. 2. — Perscrutari. Mah. 4. 865.: मृगयित्वा बहून् ग्रामान्. *Cf.* मार्ग्.

मृग *m.* (r. मृग् s. अ) 1) actio quaerendi. 2) venatio. Dr. 6. 4. 3) quadrupes *in universum et specialiter* dorcas, antilope. (Wils.: 1) *A deer, an antelope.* 2) *an animal in general.*). N. 11. 25. Sa. 5. 74. H. 1. 17. Dr. 6. 3.

मृगजीवन *m.* (venatione vitam habens *BAH.* e मृग et जीवन *n.* vita) venator. N. 11. 28. 38. 39.

मृगतृष्णा *f.* (e मृग et तृष्णा sitis) vapores supra desertorum arenam, aquae speciem habentes, quâ animalia decipiuntur. Ur. 15. 5. *infr.* 17. 3. *infr.*

मृगया *f.* (r. मृग् servato charactere 10mae classis, suff. आ, cf. gr. 459. 3.) venatio. Dr. 1. 3. 4. 3. 6.

मृगयाण v. मृग्.

मृगलाञ्छन *m.* (*BAH.* e मृग et लाञ्छन signum, nota) luna. Ur. 43. 4. *infr.*

मृगाङ्क *m.* (*BAH.* e मृग et अङ्क signum, nota) *id.* Am.

मृगेन्द्रता *f.* (e मृगेन्द्र animalium princeps, dominus, suff. ता) imperium animalium. Hit. 47. 16.

मृज् 1. et 2. *P. interdum A.* cl. 1. (in omnibus formis auctis *Vriddhim* sumit loco *Gunae*, e. c. मार्ज्मि, मृज्मस्, मार्जामि, मार्जामस्, ममार्ज, ममृजिम; in tertiis personis pl. tempp. specialium et praet. redupl. tam formam auctam quam puram admittit) 1) abstergere, siccare, purificare. Bhatt. 14. 22.: खड्गान् ममार्जुश्च ममृजुश्च परश्वधान्; Man. 8. 317.: अन्नादे भ्रूणहा मार्ष्टि ... किल्बिषम्; Mah. 4. 722.: अश्रु मम मार्जस्व. — मृष्ट purificatus, purus, clarus; *de aquâ.* N. 12. 36.: मृष्टसलिलाम् आपगाम्. 2) mulcere. R. Schl. I. 46. 7.: पाणिना स ममार्ज ताम्; *v. praef.* प्र. (Cf. मार्ज्, मृश्, मस्ज्, मज्ज्, मुज्, मुञ्ज्; lat. *mulgeo, mulceo*; gr. *ἀ-μέλγω*; germ. vet. *milchu* mulgeo; goth. *miluks* lac; lith. *mélžu* mulgeo; slav. *mlzû* id.; fortasse hib. *breugaim* «I sooth, flatter, decoy, delude» e *mreugaim*, sicut gr. *βραδύς* e *μραδύς* = मृदु; *bleaghaim* «I milk».)